अध्याय-५

सार, निष्कर्ष तथा सुझाव

5 अध्याय - ५

5.1 सार, निष्कर्स तथा सुझाव

प्रस्तावना :-

शैक्षिक विकास के क्रम में प्रारम्भिक बाल शिक्षा का विशेष महत्व है| प्रारम्भिक शिक्षा के सार्वजनीकरण के संदर्भ में इसका विशेष स्थान है| पूर्व प्राथमिक शिक्षा बालक के सर्वांगीर्ण विकास के लिए उद्दीपित परिस्थितियाँ प्रदान करती हैं| यह बालक को घर के अनौपचारिक परिवेश से विद्यालय के औपचारिक वातावरण में सामंजस स्थापित करने में मदद करती है| आर्थिक दबाव के कारण माता-पिता दोनों कार्यरत होते हैं ऐसी स्थिति में बच्चे को कई घंटे अकेले बिताने पड़ते हैं जो बच्चे में नकारात्मक भाव पैदा कर सकते हैं| इस परिस्थिति में यह पूर्व प्राथमिक विद्यालय बच्चो की शारीरिक तथा मनोवैज्ञानिक जरूरतों को पूरा करती है| जिसके फलस्वरूप उसमे विद्यालय तत्पर्यता का विकास होता है|

5.2 समस्या कथन :-

"प्रारम्भिक बाल शिक्षा (ई.सी.ई.) कार्यक्रम के वर्तमान परिदृश्य पर एक अध्ययन|"

5.3 अध्ययन के उद्देश्य :-

1. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान में कार्यरत पूर्व प्राथमिक विद्यालय की भौतिक संरचना तथा सुविधायों का अध्ययन करना |
2. पूर्व प्राथमिक विद्यालय में उपयोग किये जाने वाले उपकरणों तथा सामग्री का अध्ययन करना |
3. पूर्व प्राथमिक विद्यालय के शिक्षको की योग्यता का अध्ययन करना |
4. पूर्व प्राथमिक विद्यालय में नियुक्त शिक्षको में प्रारम्भिक बाल शिक्षा कार्यक्रम के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना |
5. पूर्व प्राथमिक विद्यालय में प्रयुक्त होने वाली शैक्षिक विधि का अध्ययन करना |
6. पूर्व प्राथमिक विद्यालय में होने वाली शैक्षिक क्रियाओं तथा कार्यक्रमों का अध्ययन करना |
7. पूर्व प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के सुधार के लिए सुझाव प्रस्तुत करना |

5.4 अध्ययन विधि :-

5.4.1 **न्यादर्श** - प्रस्तुत अध्ययन के लिए चुने हुए न्यादर्श में क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (भोपाल) में संचालित पूर्व प्राथमिक विद्यालय को शामिल किया गया है |

5.4.2 **उपकरण** - प्रस्तुत अध्ययन के लिए प्रदत्त संकलन हेतु शोधकर्ता द्वारा निम्नलिखित टी उपकरणों का निर्माण किया गया है -

1. अवलोकन अनुसूची
2. प्रश्नावली (शिक्षकों के लिए)

पूर्व प्राथमिक विद्यालय में न्यूनतम विशिष्टताओं की उपलब्धता, पाठ्यक्रम क्रियाओं तथा प्रारम्भिक बाल शिक्षा के प्रति शिक्षको की जागरूकता का अध्ययन किया गया |

5.4.3 **अध्ययन विधि** - प्रस्तुत अध्ययन एक वर्णात्मक सर्वेक्षण है | जिसमे क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (भोपाल) में संचालित प्रारम्भिक बाल शिक्षा विद्यालय के वर्तमान परिद्रश्य को जानने का प्रयास किया गया है |

5.5 प्रदत्त संकलन :-

प्रस्तुत अध्ययन से सम्बन्धित प्रदत्त संकलित करने के लिए शोधकर्ता ने व्यक्तिगत रूप से पूर्व प्राथमिक विद्यालय का भ्रमण किया |जिसके लिए शोधकर्ता ने व्यक्तिगत रूप से पूर्व प्राथमिक विद्यालय प्रमुख से अवलोकन अनुसूची तथा प्रश्नावली के लिए प्रशासन हेतु अनुमति प्राप्त की |

यह प्रश्नावली प्रशासको और शिक्षकों के लिए प्रथक-प्रथक थी | इन प्रश्नावलियों में प्राथमिक विद्यालय की न्यूनतम विशिष्टताओं को जानने सम्बंधित एकांश शामिल थे | शिक्षकों तथा प्रशासकों सत्य तथा निसंकोच प्रतिक्रिया व्यक्त करने का अनुरोध किया | अवलोकन अनुसूची अनुसूची के लिए अध्ययनकर्ता स्वयं विद्यालय की कक्षाओं का भ्रमण किया तथा क्रियाओं को अनुसूची में लिखा परतु समाभाव के कारण कक्षा में शिक्षकों द्वारा कराई जाने वाली क्रियाओं को सीधे शिक्षकों से पूंछ कर अवलोकन अनुसूची में लिखा गया है|

इन उपकरणों से प्राप्त जानकारी को एकत्रित करके विश्लेषण कर इसकी व्याख्या की गयी| प्रदत्तो का विश्लेषण तथा व्याख्या का वर्णन चतुर्थ अध्याय में प्रस्तुत किया गया है|

5.6 प्रमुख निष्कर्ष :-

1. पूर्व प्राथमिक विद्यालय एन.सी.ई.आर. के इस मानदंड की पूर्ति नही करता जिसके अनुसार, वाहन सुविधा के बिना विद्यालय १/२ किलो मीटर से १ किलो मीटर तथा वाहन सुविधा के साथ १ से ८ किलो मीटर के दायरे में होना चाहिए|
2. विद्यालय बच्चो की किसी भी प्रकार की सुरक्षा प्रदान नही करता|
3. विद्यालय में खेल के मैदान का आकार मानदंडों के अनुसार नही था|
4. विद्यालय में बच्चों को अधिकाँश भौतिक सुविधाएँ जैसे- वाल स्पेस, स्टोर रूम, पीने का स्वच्छ पानी, प्रसाधन सुविधा, आदि प्रदान की जा रही है|
5. विद्यालय में बच्चो के मांसपेशियों तथा शारीरिक विकास के लिए विद्यालय में पी.टी. तथा विभिन्न प्रकार के खेल कुंद कराये जाते थे|
6. विद्यालय में बच्चों के सोचने की क्षमता के विकास हेतु ब्लाक बनाना तथा कहानियों का उपयोग किया जाता है|
7. विद्यालय में बच्चो के भाषा विकास तथा आत्म-अभिव्यक्ति के विकास लिए गीत व कविता का उपयोग किया जाता है|
8. विद्यालय में वाचन क्रिया अक्षर-ज्ञान पर तथा लेखन क्रिया पर जोर दिया जाता है |
9. विद्यालय में बच्चों के ज्ञानेंद्रिय संवेदना विकास के प्रति शिक्षक जागरूक थे|
10. बच्चो के उचित स्वास्थ्य तथा पोषण के लिए विद्यालय में शिक्षक हो को स्वास्थ्य सम्बन्धी बातो के बारे में बताते हैं तथा अभिभावकों को भोजन सम्बन्धी सलाह भी देते हैं परन्तु विद्यालय में किसी भी प्रकार का अनुपूरक आहार प्रदान नही किया जाता है |
11. विद्यालय में सामूहिक खेल तथा टिफिन शेयरिंग क्रियाओं द्वारा बच्चों का सामाजिक तथा भावनात्मक विकास किया जाता है|
12. बच्चों में नेत्र, हाथ समन्वय, कलात्मक तथा सृजनात्मक विकास के लिए चित्र बनाना, रंग भरना जैसी क्रियाएं कराई जाती हैं|
13. विद्यालय में शिक्षकों की नियुक्ति की न्यूनतम योग्यता नर्सरी टीचर ट्रेनिंग निर्धारित है|
14. विद्यालय में शिक्षक-छात्र अनुपात १:३० है|

15. विद्यालय में शिक्षक प्रारम्भिक बाल शिक्षा के उद्देश्य, कार्यों तथा बाल विकास में इसकी भूमिका के बारे में जागरूक थे |
16. विद्यालय में प्रति माह शिक्षक अभिभावक सभा का आयोजन किया जाता है |
17. सभी शिक्षक कहानी, गीत, कविता द्वारा शिक्षण करवाते हैं |
18. विद्यालय में बच्चों के मूल्यांकन के लिए मौखिक तथा लिखित परीक्षाओं का आयोजन होता है|
19. विद्यालय में अंग्रेजी तथा हिंदी दोनों ही भाषाओं में शिक्षण प्रदान किया जाता है, परन्तु अंग्रेजी पर अधिक जोर दिया जाता है,जबकि बच्चों की मात्र भाषा हिंदी है|
20. विद्यालय में साप्ताहिक, तथा मासिक मूल्यांकन किया जाता है |

5.7 सुझाव :-

1. पूर्व प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए|
2. पूर्व प्राथमिक विद्यालय में अभी भी वाचन एवम लेखन पर अधिक जोर दिया जाता है, इसे हटाना चाहिए|
3. विद्यालय में अधिगमसामग्री की मात्रा बढाई जानी चाहिए|
4. बच्चों का मूल्यांकन औपचारिक परीक्षाओं द्वारा नही किया जाना चाहिए|
5. बाल शिक्षा कार्यक्रम की गुणात्मक स्तर में सुधार हेतु संगठन निर्मित होना चाहिए जो इन विद्यालयों के कार्यक्रम का पर्यवेक्षण कर इसमें समरूपता ला सकें|
6. बच्चों को स्वयं सीखने के अवसर प्रदान करना चाहिए|
7. अभिभावकों की सहभागिता बढाई जनि चाहिए|

5.8 भावी अध्ययन हेतु सुझाव :-

1. बच्चों के अधिगम पर किसी विशेष खेल क्रिया के प्रभाव का अध्ययन |
2. न्यादर्श का आकार बड़ा कर विस्तृत क्षेत्र का अध्ययन |
3. प्राथमिक शिक्षा पर पूर्व प्राथमिक शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन |
4. खेल पद्धति तथा बाल विकास के संदर्भ में पूर्व प्राथमिक शिक्षकों की जागरूकता तथा क्रियाशीलता का अध्ययन |

संदर्भ ग्रन्थ

- अग्रवाल जे.सी.(१९८६) हिंदी एंड फिलोसफी ऑफ़ प्री.प्राइमरी एंड नर्सरी एजुकेशन दिल्ली दोआबा हाउस बुक सैलेर्स एंड पब्लिशर्स
- आसी.एस.के.(१९८९) बच्चों में विद्यालय तत्परता का पूर्व प्राथमिक शिक्षा के साथ तथा पूर्व प्राथमिक शिक्षा के बिना अध्ययन शैक्षिक अनुसन्धान सर्वेक्षण-५,वॉल्यूम - ||
- गुप्ता एम सेन (२०००) सेम्पल एक्टिविटी प्लान फॉर अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन, भोपाल क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान राष्ट्रिय शैक्षिक अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण परिषद् |
- ग्रेवाल जे.एस.(१९८४) अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन फाउंडेशन एंड प्रैक्टिस, आगरा मनोविज्ञान कोऑपरेशन|
- गोविंदा आर.(२००२), इंडिया एजुकेशन रिपोर्ट राष्ट्रिय शैक्षिक नियोजन तथा प्रवंधन संस्थान,नई दिल्ली ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस|
- दिनकर एच. (२००४) भोपाल शहर में पूर्व प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम का आलोचनात्मक अध्ययन लघुशोध प्रवंध भोपाल क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान |
- नागलक्ष्मी जे. (१९९१) पूर्व विद्यालयी अवस्था के लिए कुछ आवश्यकताएं,शैक्षिक अनुसन्धान सर्वेक्षण - ५, वॉल्यूम - २
- पाठक सी.के. (२००३) अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन, नई दिल्ली, रजत पब्लिकेशन |
- पंकजम जी तथा साथी (१९९०), तमिलनाडु में बाल देखरेख सेवाओं का अध्ययन शैक्षिक अनुसन्धान सर्वेक्षण - ५, वॉल्यूम -२|
- पंकजम जी (२००४), प्री.प्राइमरी एजुकेशन, नई दिल्ली कांसेप्ट पब्लिसिंग कंपनी |
- भटनागर, बी. छिकारा. एस. तथा दुहां, के (२००३), राजेस्थान तथा हरियाणा राज्य में पूर्व विद्यालयी कर्येक्रमों में शिक्षण

नीतियों के स्तर का अध्ययन, इंडियन एजुकेशन रिव्यु, वॉल्यूम ३९ |

- मिश्र डी. (१९९०), कटक शहर की पूर्व विद्यालयी शिक्षा की समस्याओं का अध्ययन, शैक्षिक अनुसन्धान सर्वेक्षण -५, वॉल्यूम सेकंड |
- मैयानी जे. पी. (१९८९) स्वतंत्रता के बाद गुजरात में पूर्व प्राथमिक शिक्षा के विकास का अध्ययन शैक्षिक अनुसन्धान सर्वेक्षण -५, वॉल्यूम - २
- मोहती. जे. तथा मोहंती बी. (१९९४), अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन, नई दिल्ली एंड द्वीप पब्लिकेशन|
- मंद्के एस. (१९८९), पूर्व विद्यालयी छात्रो की अधिमगम योग्यताओं पर पूर्व विद्यालयी शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन, शैक्षिक अनुसन्धान सर्वेक्षण -५, वॉल्यूम - २
- यशोधरा पी. (१९९१) पूर्व विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न पक्षों के प्रति शिक्षा व अभिभावकों की अभिवृत्ति का अध्ययन;शैक्षिक अनुसन्धान सर्वेक्षण -५, वोल्यूम -||
- राजलक्ष्मी एम्. (१९९२) केरल में नर्सरी शिक्षा कार्यक्रम का मूल्यांकन शैक्षिक अनुसन्धान सर्वेक्षण - ५, वॉल्यूम - ||
- राष्ट्रिय पाठ्यचर्या रुपरेखा (२००५) नई दिल्ली : राष्ट्रिय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद् |
- सत्यार्थी, जी (२००५), ग्वालियर जिले में पूर्व प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के क्रियान्वयन का अध्ययन, लघुशोध प्रबंध भोपाल : क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान |
- सिंह आर. (२००६), भुवनेश्वर में ई.सी.ई. के वर्तमान परिद्रश्य का अध्ययन, लघुशोध प्रबंध भुवनेश्वर : क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, राष्ट्रिय शैक्षिक अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण परिषद् |
- सूद एन. (१९९२) समेकित बाल विकास योजना कार्यक्रम में पूर्व विद्यालयी घटकों का मूल्यांकन, शैक्षिक अनुसन्धान सर्वेक्षण - ५, वोल्यूम -||

- सेठ के.तथा आहूजा के. (१९९२), पूर्व प्राथमिक विद्यालय के लिए न्यूनतम विशिष्टाएँ, शैक्षिक अनुसन्धान सर्वेक्षण - ५, वॉल्यूम - II
- स्वामीनाथन एम्. (१९८७), बच्चों के लिए खेल क्रियाएं, नई दिल्ली : यूनिसेफ क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा प्रकाशित I